कैटिल का लक्षण या शीलगुण सिद्धान्त (Cattle's Trait Theory)

कैटिल के अनुसार, व्यक्तित्व का स्वरूप उसके संप्रत्ययों के आधार पर ही ज्ञात किया जा सकता है। उसने व्यक्तित्व को परिभाषित करते हुये कहा, *"एक व्यक्ति का व्यक्तित्व वह है जिसके आधार पर हम यह कह सकें कि किसी प्रयन्त परिस्थिति में वह व्यक्ति क्या करेगा।"* इस परिभाषा के अनुसार व्यक्तित्व का संबध व्यक्ति के भावी व्यवहार के स्वरूप को समझने से है। कैटिल ने किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के अध्ययन के लिये व्यक्ति, परिस्थिति और इन दोनों के बीच होने वाली अतः क्रियाओं के अध्ययन को आवश्यक माना है। उनके अनुसार किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का संबध उसके बाह्य (Overt) और आन्तरिक (Covert) दोनों प्रकार के व्यवहार से होता है।

ऑलपोर्ट द्वारा बताये गये 1,800 व्यक्तित्व लक्षणों में से कैटिल ने सर्वप्रथम 3,500 लक्षणों का चयन किया। इसके बाद इनमें से समानार्थक (Synonyms) शब्दों को निकालकर 200 लक्षणों का चयन किया और अन्ततः कारक विश्लेषण (Factor Analysis) द्वारा केवल 35 लक्षणों का चयन किया। इस आधार पर उनके इस सिद्धान्त से प्रतिकारक प्रणाली सिद्धान्त (Factorial System Theory) भी कहा जाता है। कैटिल ने इन लक्षणों को दो वर्गों में विभाजित किया—

Scanned with CamScanner

(1) सतही लक्षण (Surface Traits)

(2) स्रोत या मूल लक्षण (Source Traits)

जिन व्यवहारों व व्यवहार संबंधी घटनाओं का संबध परिस्थिति विशेष से होता है और जिनमें स्थायित्व की कमी होती है, उन्हें सतही लक्षण माना जाता है। सतही लक्षण व्यक्ति की दिन-प्रतिदिन की अन्तःक्रियाओं में आसानी से देखे-समझे जा सकते हैं। स्रोत या मूल लक्षण वे लक्षण हैं जो व्यक्तित्व के मूल में निहित रहते हैं, ये लक्षण व्यक्ति के व्यक्तित्व को अप्रत्यक्ष रूप से नियमित करते हैं। इनकी संख्या सतही लक्षणों से कम होती है और ये दिन-प्रतिदिन की अन्तःक्रियाओं में अभिव्यक्त नहीं होते।

कैटिल के अनुसार, 35 लक्षणों में 23 लक्षण ऐसे हैं जो सामान्य व्यक्तियों में पाये जाते हैं और 12 लक्षण ऐसे हैं जो कुछ विशेष व्यक्तियों में पाये जाते हैं। कैटिल ने इन 23 लक्षणों में से ऐसे 16 लक्षणों का चयन किया जो व्यक्तित्व के लिऐ वहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने इन 16 लक्षणों के आधार पर एक व्यक्तित्व मापन प्रश्नावली का निर्माण किया, जिसे '16 व्यक्तित्व लक्षण प्रश्नावली' (16 P. F. Questionnaire) कहा जाता है। इस प्रश्नावली में व्यक्तित्व के निम्नलिखित 16 विपरीत द्विधुव्रीय कारकों को सम्मिलित किया गया है—

(1) उत्साही — एकाकी
(2) अधिक बुद्धिमान — कम बुद्धिमान
(3) स्थिर — संवेगात्मक
(4) दृढ़ — नम्र
(5) हँसमुख — सौम्य
(6) आध्वात्मिक — सांसरिक
(7) समाजी — संकोची
(8) संवेदनशील — निष्ठुर
(9) शंकालु — विश्वरन्त
(10) कल्पनाशील — यथार्थवादी
(11) व्यवहारकुशल — सामान्य
(12) चिन्तित — आत्मविश्वासी
(13) आधुनिक — रूढ़िवादी
(14) स्वआधारित — समूह नियंत्रित
(15) नियंत्रित — अन्तद्वन्द्वी
(16) तनाव — तनावमुक्त

यद्यपि लक्षण सिद्धान्त में व्यक्तित्व को लक्षणों के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इन लक्षणों की अभिव्यक्ति व्यक्ति के व्यवहार में देखी-समझी जा सकती है और उसके आधार पर उसके व्यक्तित्व को समझा जा सकता है, इस दृष्टि से यह सिद्धान्त अधिक वैज्ञानिक हे। तथापि यह सिद्धान्त त्रुटि रहित नहीं है क्योंकि (1) मनोवैज्ञानिक लक्षणों की संख्या के विषय में एकमत नहीं है, (2) मनोवैज्ञानिक इस बात पर भी एकमत नहीं है कि कौन-से लक्षण व्यक्तित्व के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण हैं और कौन-से कम महत्त्वपूर्ण और और (3) व्यक्तित्व के लक्षण एक-दूसरे से इतने सम्बन्धित होते हैं कि उन्हें अलग-अलग समझना कठिन होता है।

Scanned with CamScanner